"कक्षा 8 के कुछ छात्रों द्वारा विद्यालय में देर से आने की समस्या का अध्ययन"

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी. एड. उपाधि हेतु प्रस्तुत
क्रियात्मक अनुसंधान

सत्र : 2010-2011

निर्देशक:
श्री मोहम्मद आरिफ
शिक्षक- शिक्षण प्रशिक्षण विभाग

अनुसंधानकर्ता:
जितेन्द्र सिंह
बी० एड० (छात्राध्यापक)

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

घोषणा-पत्र

मैं **जितेन्द्र सिंह** यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कार्य मेरी मौलिक कृति हैं तथा इसके पूर्व यह क्रियात्मक अनुसंधान कही अन्यत्र प्रस्तुत नही किया गया हैं।

अपने विद्वान निर्देशक **"श्री मोहम्मद आरिफ"** के सफल निर्देशन में शोधकर्ता ने इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना में जिन विविध स्त्रोतो का प्रयोग किया हैं उनका संकेत संदर्भ ग्रन्थ सूची में कर दिया गया हैं।

शोधकर्ता

जितेन्द्र सिंह

छात्राध्यापक (बी० एड०)

Snow Kids

आभार स्वीकृति

प्रस्तुत क्रियात्मक अनुसंधान कानपुर के ''डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉंधी नगर'' के **''कक्षा 8 के कुछ छात्रों द्वारा विद्यालय में देर से आने की समस्या का अध्ययन''** हैं।

सर्वप्रथम मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर की उस शक्ति के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूँ जिसने मुझे इस क्रियात्मक अनुसंधान की रचना करने योग्य बनाया।

मैं अपने निर्देशक **''श्री मोहम्मद आरिफ''**का अत्यधिक आभारी हूँ जिनके प्रखर निर्देशन और प्रोत्साहन से मैंने अपना शोध कार्य पूरा किया। आपके मार्गदर्शन और अमूल्य सुझावो के परिणामस्वरूप ही यह क्रियात्मक अनुसंधान साकार रूप मे प्रस्तुत हो सका हैं।

मैं **श्री अंसार अहमद**, विभागाध्यक्ष बी. एड., हलीम मुस्लिम पी०जी० कालेज, कानपुर का भी हार्दिक आभारी हूँ जिन्होंने इस क्रियात्मक अनुसंधान को पूरा करने में अपना सहयोग प्रदान किया।

तत्पश्चात् मैं ''डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गॉंधी नगर, कानपुर'' के अध्यापकों तथा प्रधानाचार्य को भी विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ, क्योंकि इनके सहयोग के बिना यह क्रियात्मक अनुसंधान पूरा न हो पाता।

अनुसंधानकर्ता

(जितेन्द्र सिंह)

Snow Kids

"क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित प्रायोगिक परियोजना का प्रतिवेदन"

परियोजना का शीर्षक	:	"कक्षा 8 के कुछ छात्रों द्वारा विद्यालय में देर से आने की समस्या का अध्ययन"
अनुसंधानकर्ता का नाम	:	जितेन्द्र सिंह
अनुसंधान निर्देशक का नाम	:	श्री मोहम्मद आरिफ
विद्यालय का नाम	:	डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गाँधी नगर, कानपुर
कक्षा	:	8
अनुसंधान की अवधि	:	27 जनवरी 2011 से 26 फरवरी 2011 तक

Snow Kids

"कक्षा 8 के कुछ छात्रों द्वारा विद्यालय में देर से आने की समस्या का अध्ययन"

समस्या की पृष्ठभूमि

छात्राध्यापक ने विद्यालय में शिक्षण अभ्यास करते समय यह देखा कि विद्यालय में प्रथम एवं द्वितीय घण्टे में विद्यार्थियों की सख्यां कम रहती हैं। इससे स्पष्ट होता हैं कि विद्यार्थी सुबह ठीक समय पर विद्यालय नही पहुँचते हैं और प्रथम एवं द्वितीय घण्टे की पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। इससे उनकी पढ़ाई का काफी नुकसान होता हैं। इसके परिणामस्वरूप उनका परीक्षाफल भी अच्छा नही होता हैं और वह पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं।

अतः उपरोक्त समस्या के सामने आने पर छात्राध्यापक ने एक परियोजना के आधार पर इसे हल करने का प्रयास किया हैं।

Snow Kids

परियोजना के उद्देश्य

किसी भी समस्या को दूर करने के लिये योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना चाहिये। योजना समस्या को दूर करने के लिये नितान्त आवश्यक हैं, क्योंकि योजना के तहत समस्या पर कार्य करना सरल हो जाता हैं। असके अलावा समस्या को दूर करने के लिये उद्देश्य का होना भी अनिवार्य हैं। उद्देश्य लक्ष्य प्राप्ति का साधन हैं।

छात्राध्यापक ने समस्या के अध्ययन हेतु एक परियोजना बनाई जिसके उद्देश्य निम्न् हैं-

- विद्यार्थियों को जीवन में समय के महत्व का ज्ञान करना।
- कक्षा में देर से आने से अनुपस्थित समय में पढ़ायें गये पाठ विषय से उनके परीक्षाफल पर पढ़ने वाले प्रभाव से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को देर से विद्यालय आने से होने वाले नुकसान के बारें में बताना।
- कक्षा में देर से आने के पर कक्षा में शिक्षण कार्य में हो रहे व्यवधान से अवगत कराना।
- कक्षा में देर से आने की अनुशसनहीनता के कारणो का पता लगाकर उसको दूर करना।
- छात्रों को प्रतिदिन समय से आकर अध्ययन के प्रेरित करना।

Snow Kids

परियोजना का महत्व

प्रायः यह देखा गया हैं कि विद्यालय में देर से आने की प्रवृत्ति माध्यमिक स्तर पर ज्यादा पायी जाती हैं। अतः ऐसी स्थिती में उन्हें विद्यार्थी जीवन में समय के महत्व का ज्ञान करना अति आवश्यक हैं। इसलिये यह परियोजना विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों, छात्र के अभिभावको, उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षको तथा प्रधानाचार्यो के लियें अत्यन्त महत्वपूर्ण क्योकि-

- इस योजना के अनुसार कार्य करके छात्रों में विद्यालय में उपस्थित रहने की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता हैं।
- इस परियोजना के अनुसार संरक्षको व अध्यापको द्वारा विद्यार्थियों में कक्षा अध्ययन के प्रति रूचि उत्पन्न की जा सकती हैं।
- इस परियोजना पर अमल करके छात्रों में समय के सदुपयोग करने की प्रवृत्ति का विकास किया जा सकता हैं।
- इस परियोजना के द्वारा छात्रों में विद्यालय में उपस्थित रहने की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता हैं।
- इस परियोजना की माध्यम से विद्यालय में परिक्षाफल के स्तर को सुधरा जा सकता हैं।
- समय के प्रति सचेत करके छात्रों के सर्वांगींण विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता हैं।

Snow Kids

परियोजना का अभिकथन

प्रस्तुत परियोजना में छात्राध्यापक ने "कक्षा 8 के कुछ छात्रों द्वारा विद्यालय में देर से आने की समस्या का अध्ययन" किया हैं।

समस्या का परिसीमन

समस्या के अध्ययन हेतु व इसका समाधान करने हेतु "डा० भीम राव अम्बेडकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय", गाँधी नगर, कानपुर के कक्षा 8 के 24 विद्यार्थियों को लिया गया हैं।

Snow Kids

समस्या के कारणो का विश्लेषण

क्रम संख्या	समस्या के सम्भावित कारण	साक्ष्य	तथ्य या अनुमान	अनुसंधानकर्ता का नियंत्रण	प्राथमिकता क्रम
1	कक्षा में देर से आने वाले छात्रों के प्रति अध्यापक भी लापरवाह होते हैं।	छात्रों की उपस्थिति पंजिका द्वारा	तथ्य	अध्यापकों के सहयोग से नियंत्रण किया जा सकता हैं।	1
2	संरक्षकों का बच्चों के प्रति लापरवाही बरतना	संरक्षकों से साक्षात्कार द्वारा ज्ञात किया	तथ्य	संरक्षकों के सहयोग से नियंत्रित किया जा सकता हैं।	3
3	विद्यालय के प्रशासन तंत्र की निर्बलता	छात्रों से पूछताछ एवं निरीक्षण द्वारा	तथ्य	शिक्षक, प्रबन्धक व प्रधानाचार्य के सहयोग से नियत्रणं किया जा सकता हैं।	5
4	छात्रों के पास सम्पूर्ण पाठ्य सामग्री का आभाव	विद्यार्थियों से पूछताछ द्वारा	तथ्य	नियंत्रण में हैं।	4
5	शिक्षण विधियों का अरूचिकर होना।	निरीक्षण एवं पूछताछ द्वारा	तथ्य	नियत्रणं किया जा सकता हैं।	2

Snow Kids

क्रियात्मक परिकल्पनाओं का निर्माण

समस्या के कारणों के विश्लेषण के आधार पर क्रियात्मक अनुसंधान की परिकल्पनाओं का निर्माण किया जाता हैं। इसमें परिकल्पनाओं का आधार वे कारण होते हैं जिन पर अनुसंधानकर्ता का पूर्ण नियंत्रण होता हैं। अतः अनुसंधानकर्ता ने अपनी समस्या के समाधान हेतु निम्नलिखित दो परिकल्पनाये बनायी हैः-

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना

विद्यालय में देर से आने वाले छात्रों को समझाकर तथा उनके अभिभावकों एवं अध्यापको के द्वारा उनकी समस्याओं का निराकरण करके विद्यालय तथा कक्षा में समय से उपस्थित रहने की भावना को जागृत किया जा सकता हैं।

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना

शिक्षक व विद्यालयी प्रशासन के द्वारा कड़े नियमों को लागू करने के लिये प्रेरित करके देर से विद्यालय आने वाले छात्रों का समय से विद्यालय पहुँचकर कक्षा में अध्ययन के प्रति जागरूक बनाया जा सकता हैं।

उपकरणों का चयन

अनुसंधानकर्ता ने समस्या के अध्ययन हेतु अपनी बनाई गयी परिकल्पना के परिक्षणों के लिये कई तथ्य एकत्रित किये जिसके लिये उसने निम्नलिखित उपकरणों का चयन किया हैः-

- उपस्थिति पंजिका
- निरीक्षण
- साक्षात्कार
- प्रतिपृच्छा
- सूचना

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय-अवधि
1	छात्राध्यापक द्वारा कक्षा से सम्बन्धित उपस्थिति छात्र पंजिका व कक्षा में उपस्थित छात्रों की सही सख्ंया की तुलना।	विद्यालय में प्रथम घण्टे में ली गयी हाजरी व छात्राध्यापक द्वारा चौथे घण्टे में शिक्षण के दौरान ली गयी हाजरी।	छात्र उपस्थिति पंजिका	2 दिन
2	छात्राध्यापक ने देर से आने वाले छात्रों के क्रियाकलाप का पता लगाया	छात्राध्यापक द्वारा अन्य छात्रों तथा बाह्य व्यक्तियों से पूछकर एवं छात्रों के क्रिया-कलाप पर नजर रखकर	प्रतिपृच्छा	10 दिन
3	छात्राध्यापक द्वारा प्रधानाचार्य की अनुमति से कक्षा के सभी छात्रों के अभिभावकों को विचार-विमर्श के लिये बुलाया गया।	छात्रों की विद्यालय डायरी में सूचना देकर।	अभिभावको को सूचना	1 दिन
4	अभिभावकों से विचार-विमर्श के समय छात्राध्यापक द्वारा उन्हें छात्रों द्वारा देर से विद्यालय पहुँचने के नुकसान बताये गये।	उन कारणों की जानकारी ली गयी जिससे छात्र देर से विद्यालय आते हैं, तथा उन तथ्यों पर अमल करने की सलाह दी गयी जिनसे छात्र विद्यालय समय पर आने लगें।	छात्रों के अभिभावकों से विचार-विमर्श करके	1 दिन

Snow Kids

प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

छात्राध्यापक ने प्रथम क्रियात्मक परिकल्पना परिक्षण हेतु 14 दिनों तक कार्य किया इसके अवलोकन के पश्चात् उसने पाया कि छात्रों के अभिभावको द्वारा किय गयो प्रयास से छात्र कक्षा में समय से उपस्थित होने लगे हैं लेकिन कक्षा में उपस्थित होने के बावजूद छात्र पढ़ने में रूचि नही ले रहे हैं।

अतः छात्राध्यापक को 14 दिनो तक कार्योपरान्त संतोषजनक सफलता नही मिली। तत्पश्चात् उसने द्वितीय परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य किया।

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के परिक्षण हेतु कार्य विधि

क्रम संख्या	किया गया कार्य	कार्य विधि	प्रयुक्त उपकरण	समय
1	छात्राध्यापक द्वारा कक्षा में जाकर छात्रों को समय से आने की प्रेरणा दी गयी।	देर से आने के कारण होने वाली हानियाँ बताकर।	सुझाव	2 दिन
2	रूचिकर शिक्षण विधियों को बढ़ावा देकर।	अध्यापकों के साथ शिक्षण विधि को रोचक बनाने पर विचार किया गया।	विचार एवं सुझाव	3 दिन
3	विद्यालय के प्रशासन को चुस्त बनाकर लागू किया गया।	प्रधानाचार्य व प्रबन्धक के साथ बैठकर कार्यवाही की गयी।	सहयोग एवं मदद	2 दिन
4	छात्र विद्यालय में समय से उपस्थित होने लगे एवं पठन-पाठन में रूचि ले रहे हैं।	कक्षा में हाजरी लेकर व पढ़ाये गये पाठ से प्रश्न पूछकर।	उपस्थिति पंजिका व निरीक्षण	10 दिन

Snow Kids

द्वितीय क्रियात्मक परिकल्पना के ऑकड़ो का विश्लेषण

उपरोक्त परियोजना के अनुसार छात्राध्यापक ने 17 दिनों तक द्वितीय परिकल्पना के परीक्षण हेतु कार्य किया और अवलोकन के माध्यम से विद्यार्थियों में गुणात्मक सुधार को देखा और यह पाया कि अभिभावकों, शिक्षकों व प्रधानाध्यापक के द्वारा परियोजना के अनुसार कार्य करने पर छात्रों में देर से विद्यालय आने की प्रवृत्ति समाप्त हो रही है तथा कक्षा में निरीक्षण के द्वारा पता चला कि छात्र अध्ययन के प्रति अधिक रूचि लेने लगे है।

Snow Kids

परिणाम:-

छात्राध्यापक के द्वारा विद्यालय में देर से आने वाले छात्रों में अध्ययन के प्रति रूचि पैदा करने में के लिये लगभग 31 दिनों तक दो क्रियात्मक परिकल्पनाओं के अनुरूप कार्य किया गया। परिणामस्वरूप यह देखा गया कि समस्या के अध्ययन में शामिल लगभग 22 विद्यार्थी समय से विद्याालय आकर रूचिपूर्ण ढंग से अध्ययन करने लगे हैं।

परियोजना का मूल्यांकन:-

छात्राध्यापक ने लगभग 31 दिनों तक इस परियोजना पर कार्य किया तथा किये गये कार्य का अवलोकन करने के पश्चात् विद्यार्थियों एवं अन्य शिक्षकों से साक्षात्कार के माध्यम से ऑंकड़े एकत्र किये। एकत्रित ऑंकड़ों का अवलोकन करने के पश्चात् छात्राध्यापक ने पाया कि परियोजना के क्रियान्वयन से कक्षा 8 के विद्यार्थियों देर से विद्यालय आने की प्रवृत्ति में काफी सुधार हुआ हैं। अब वे समय से विद्याालय आकर रूचिपूर्ण ढंग से अध्ययन कार्य करने लगे हैं। अत: छात्राध्यापक द्वारा बनाई गयी परियोजना सफल हुई तथा इस सफलता से छात्रों, अध्यापकों, विद्यालय तथा अभिभावकों सभी को लाभ हुआ।

निष्कर्ष:-

परियोजना के उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर निष्कर्षत: हम यह कह सकते हैं कि विद्यार्थियों को उचित निर्देश देकर और उनके कार्यो का निरीक्षण करके एवं उनके द्वारा स्वयं कार्य करवाकर सामने आने वाली समस्याओं का निदान किया जा सकता हैं। अत: छात्राध्यापक को शिक्षण कार्य के समय अपने क्रियाकलापों में सुधार करके तथा छात्रों को उचित निर्देश के द्वारा उनका मार्गदर्शन करना चाहियें।

Snow Kids

सुझाव

छात्राध्यापक के द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के पश्चात् निकाले गये निष्कर्षो के आधार पर शिक्षकों, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े सभी व्यक्तियों को निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते हैंः-

- शिक्षकों को कक्षा में नवीनतम शिक्षण विधियों का प्रयोग करके रोचकता उत्पन्न करनी चाहिये।
- विद्यार्थियों को समय-समय पर नैतिकता व अच्छे चरित्र वाले व्यक्तियों का उदाहरण देना चाहिये।
- शिक्षण के स्तर की प्रगति तथा गुणात्मक विकास से योजना का प्रत्यक्ष सम्बन्ध होना चाहिये।
- छात्रों को गृहकार्य देने से पूर्व कक्षा में कुछ उदाहरण कराने चाहिये।
- गृहकार्य की मात्रा अधिक नही होनी चाहिये।
- अभिभावकों को प्रेरित किया जाये कि वे छात्रों को समय से विद्यालय भेजें।
- शिक्षकों को चाहिये कि वे विद्यार्थियों को समय पालन का महत्व समय-समय पर समझायें।

Snow Kids

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- सिंह, डा० कर्ण, (2006) सामाजिक विज्ञान शिक्षण, गोविन्द प्रकाशन, लखीमपुर खीरी।
- पाठक, पी० डी०, (2009) सामाजिक विज्ञान शिक्षण शिक्षण, विनोद प्रस्तक मंदिर, आगरा।
- शील, अवनीन्द्र, (2007) सामाजिक विज्ञान शिक्षण, साहित्य रत्नालय, कानपुर।
- त्यागी, गुरूसरन दास, सामाजिक अध्ययन का शिक्षण (2008), अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।

Snow Kids

हलीम मुस्लिम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कानपुर

सत्र : 2010-2011